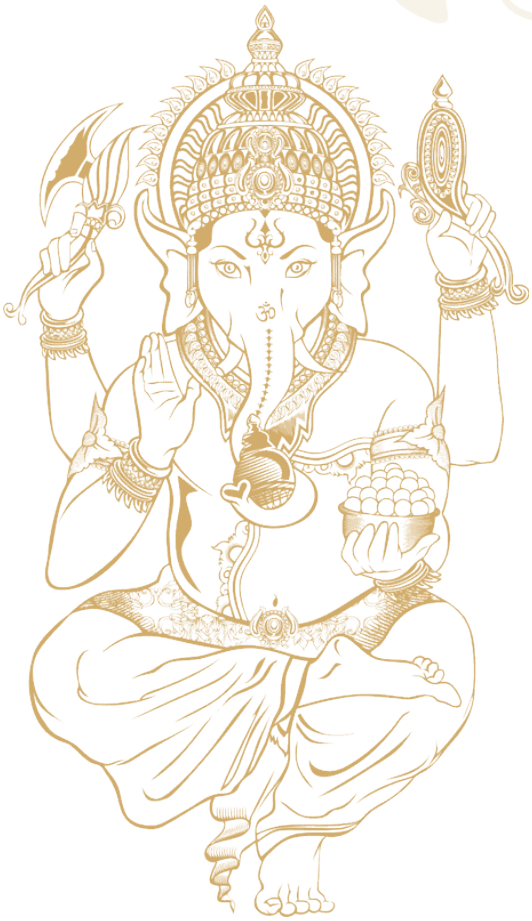

Mr.Rajat Sharma

Ms.Pratichi Seksena

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119248001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119248001 Date: 27/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/11/1996	जन्म तिथि	26/10/1996
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 07:15:00	जन्म समय	20:26:00 घंटे
घटी 01:19:19	जन्म समय(घटी)	34:37:09 घटी
India	देश	India
Hamirpur	स्थान	Agra
31:38:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व	रेखांश	78:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:43:16	सूर्योदय	06:24:27
17:30:58	सूर्यास्त	17:39:17
23:48:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:46
तुला	लग्न	वृष
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
सिंह	राशि	मेष
सूर्य	राशि-स्वामी	मंगल
मघा	नक्षत्र	अश्विनी
केतु	नक्षत्र स्वामी	केतु
3	चरण	4
ब्रह्म	योग	वज्र
वणिज	करण	बालव
मू-मुकेश	जन्म नामाक्षर	ला-लक्ष्मी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
वनचर	वश्य	चतुष्पाद
मूषक	योनि	अश्व
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 2वर्ष 9मा 4दि		24:56:13	तुला	लग्न	वृष	26:54:25	केतु 1वर्ष 8मा 19दि	
चन्द्र		19:06:34	तुला	सूर्य	तुला	09:39:32	चन्द्र	
11/08/2025		08:04:13	सिंह	चंद्र	मेष	10:03:19	16/07/2024	
11/08/2035		09:21:39	सिंह	मंगल	सिंह	04:07:55	17/07/2034	
चन्द्र	11/06/2026	21:00:20	तुला	बुध	तुला	05:28:57	चन्द्र	17/05/2025
मंगल	10/01/2027	19:39:19	धनु	गुरु	धनु	18:10:20	मंगल	16/12/2025
राहु	11/07/2028	14:08:35	कन्या	शुक्र	कन्या	02:43:20	राहु	17/06/2027
गुरु	10/11/2029	07:29:53	मीन व	शनि व	मीन	08:00:31	गुरु	16/10/2028
शनि	11/06/2031	13:42:05	कन्या	राहु व	कन्या	14:06:30	शनि	17/05/2030
बुध	10/11/2032	13:42:05	मीन	केतु व	मीन	14:06:30	बुध	16/10/2031
केतु	11/06/2033	07:07:01	मक	हर्ष	मक	06:56:48	केतु	17/05/2032
शुक्र	09/02/2035	01:24:16	मक	नेप	मक	01:16:31	शुक्र	15/01/2034
सूर्य	11/08/2035	08:24:14	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	08:03:21	सूर्य	17/07/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:47 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:46

लग्न-चलित

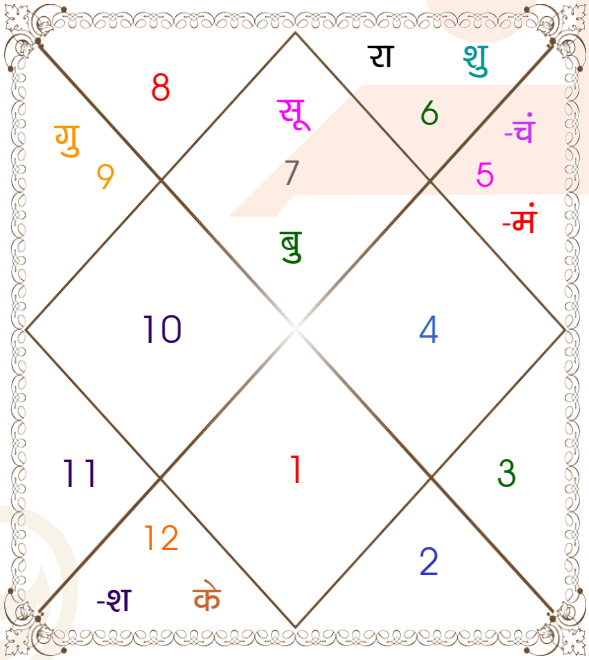

लग्न-चलित

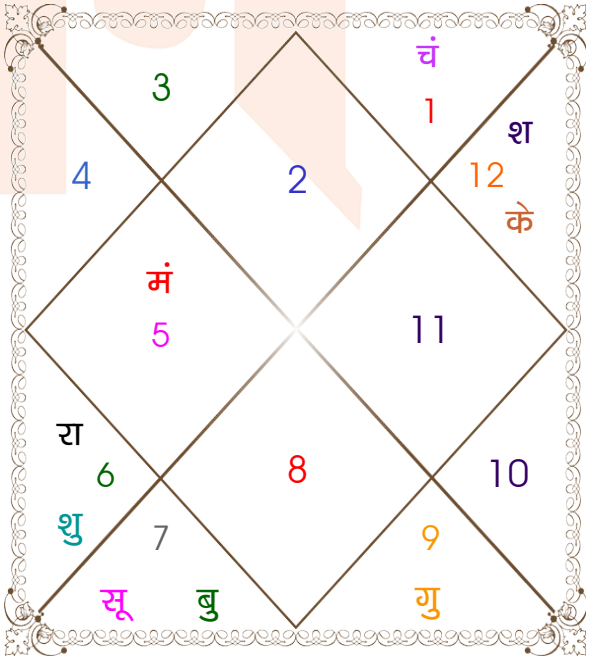

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

कुल : **20 / 36**

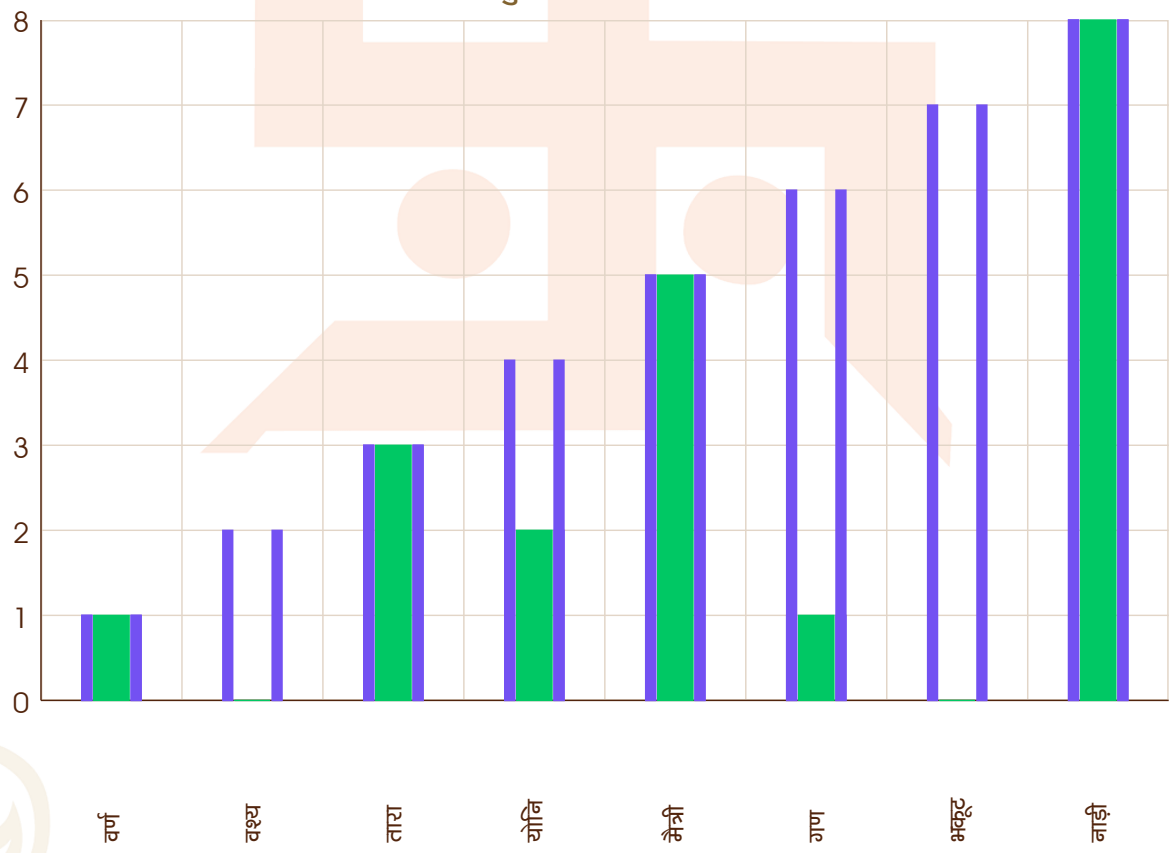

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्त्रंजौंतउं का वर्ग मूषक है तथा Ms.Pratichi Seksena का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्त्रंजौंतउं और Ms.Pratichi Seksena का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्त्रंजौंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms.Pratichi Seksena मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डतण्त्रंजौंतउं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्त्रंजौंतउं तथा Ms.Pratichi Seksena में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतण्त्रंजौतउं का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms.Pratichi Seksena का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

डतण्त्रंजौतउं का वश्य वनचर है एवं Ms.Pratichi Seksena का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर हमेशा चतुष्पद के लिए खतरा होता है। जब भी वनचर को मौका मिलता है वह चतुष्पद को अपना शिकार बना लेता है। वनचर डतण्त्रंजौतउं एवं चतुष्पद Ms.Pratichi Seksena का विवाह अच्छा साबित होने में संदेह है। डतण्त्रंजौतउं निर्दयी, क्रूर, वर्चस्वशाली एवं चतुर होगा तथा अपनी पत्नी को नौकरानी की भांति समझेगा। वह Ms.Pratichi Seksena को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं चूकेगा। अक्सर वह अपनी पत्नी के साथ क्रूर व्यवहार कर सकता है तथा संभव है Ms.Pratichi Seksena को अक्सर उसका दुर्व्यवहार सहना पड़े।

तारा

डतण्त्रंजौतउं की तारा जन्म तथा Ms.Pratichi Seksena की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

डतण्त्रंजौतउं की योनि मूषक है तथा Ms.Pratichi Seksena की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो

सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतण्त्रंजौतउं एवं Ms.Pratichi Seksena दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि डतण्त्रंजौतउं एवं Ms.Pratichi Seksena के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण डतण्त्रंजौतउं एवं Ms.Pratichi Seksena जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

डतण्त्रंजौतउं का गण राक्षस तथा Ms.Pratichi Seksena का गण देव है। अर्थात Ms.Pratichi Seksena का गण डतण्त्रंजौतउं के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण डतण्त्रंजौतउं निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही डतण्त्रंजौतउं का Ms.Pratichi Seksena के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Ms.Pratichi Seksena हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

डतण्त्रंजौतउं से Ms.Pratichi Seksena की राशि नवम भाव में स्थित है तथा Ms.Pratichi Seksena से डतण्त्रंजौतउं की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। डतण्त्रंजौतउं की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य

है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

डतण्त्रंजौतउं की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.Pratichi Seksena की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। डतण्त्रंजौतउं की अन्त्य नाड़ी तथा Ms.Pratichi Seksena की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतण्त्रंजौतउं की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा Ms.Pratichi Seksena की भी अग्नितत्व युक्त मेष राशि है। अग्नितत्व में समानता होने के कारण डतण्त्रंजौतउं और Ms.Pratichi Seksena की परस्पर स्वाभाविक समानता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन शांति पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

डतण्त्रंजौतउं की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा Ms.Pratichi Seksena की राशि का स्वामी मंगल दोनों परस्पर मित्र राशियों में स्थित हैं। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने के लिए यह स्थिति सुखद रहेगी। इसके प्रभाव से डतण्त्रंजौतउं और Ms.Pratichi Seksena एक दूसरे के गुणों से आकर्षित रहेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति सम्मान जनक समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे के आस्तित्व को पूर्ण स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त डतण्त्रंजौतउं और Ms.Pratichi Seksena एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखेंगे जिससे परस्पर गहन मित्रता का भाव बना रहेगा।

डतण्त्रंजौतउं और Ms.Pratichi Seksena की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है। इसके प्रभाव से दोनों के मन में यदा कदा एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या की भावना उत्पन्न होगी तथा अभिमान के भाव में भी प्रबलता आएगी फलतः परस्पर वैमनस्य के भाव की उत्पति होगी। इससे दाम्पत्य जीवन में अशांति तथा असुविधा का डतण्त्रंजौतउं और Ms.Pratichi Seksena को सामना करना पड़ेगा। यदि डतण्त्रंजौतउं और Ms.Pratichi Seksena उपरोक्त भावनाओं का यत्न पूर्वक परित्याग कर सकें तो उनके जीवन में खुशी तथा शांति बनी रह सकती है।

डतण्त्रंजौतउं का वश्य वनचर तथा Ms.Pratichi Seksena का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से वनचर एवं चतुष्पद में असमानता का भाव होता है अतः डतण्त्रंजौतउं और Ms.Pratichi Seksena की अभिरूचियां अलग अलग होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को काम चेष्टाओं में भी प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

डतण्त्रंजौतउं और Ms.Pratichi Seksena दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः दोनों की कार्य क्षमता बराबर रहेगी तथा पराक्रमी एवं साहसी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे जिससे कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता रहेगी।

धन

डतण्त्रंजौतउं और Ms.Pratichi Seksena का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी

जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से डतण्त्रंजौतउं और Ms.Pratichi Seksena सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

डतण्त्रंजौतउं को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

डतण्त्रंजौतउं का जन्म अन्त्य तथा Ms.Pratichi Seksena का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव डतण्त्रंजौतउं को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से डतण्त्रंजौतउं हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए डतण्त्रंजौतउं को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोकत अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से डतण्त्रंजौतउं और Ms.Pratichi Seksena का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ms.Pratichi Seksena के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ms.Pratichi Seksena को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

डतण्त्रंजौतउं और Ms.Pratichi Seksena बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः डतण्त्रंजौतउं और Ms.Pratichi Seksena का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.Pratichi Seksena के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms.Pratichi Seksena अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms.Pratichi Seksena पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms.Pratichi Seksena अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

डतण्त्रंजौंतउं की अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उनके प्रति श्रद्धा सम्मान एवं सहयोग का भाव रहेगा। डतण्त्रंजौंतउं सपत्नीक समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे जिससे आपसी संबंधों में मधुरता की वृद्धि होगी। साथ ही डतण्त्रंजौंतउं का व्यवहार उनके प्रति विनम्रता से युक्त रहेगा।

ससुर के साथ भी डतण्त्रंजौंतउं के संबंधों में मधुरता का भाव रहेगा। साथ ही इन दोनों के मध्य दामाद ससुर की अपेक्षा पिता पुत्र का भाव अधिक रहेगा। डतण्त्रंजौंतउं भी समय समय पर अपने समस्याओं के समाधान के लिए ससुर से सलाह लेते रहेंगे लेकिन साले तथा सालियों से संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान तथा सहयोग की प्राप्ति अल्प मात्रा में ही होगी।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण डतण्त्रंजौंतउं के प्रति अनुकूल रहेगा जिससे उनके आपसी संबंध अनौपचारिक रहेंगे।